विज्ञान और तकनीक की मदद से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा

आईआईटी बीएचयू के पुरातन छात्र सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

- प्रयागराज कुंभ में टेक्नोलॉजी से साफ गंगा जल अब तक का सबसे स्वच्छ
- सॉलिड वेस्ट मैनजमेंट और गोबर से ऊर्जा स्रोत पर काम करने की जरूरत

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि विज्ञान और तकनीक से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है। केंद्र और राज्य सरकार ने इसी के जरिए भ्रष्टाचार को खत्म किया है। पुरातन ज्ञान की के आधुनिक तकनीक से जुड़ने के बाद मानव जीवन सुगम हो गया है। प्रयागराज कुंभ में गंगा जल आजादी के बाद सबसे ज्यादा स्वच्छ है। तकनीक के उपयोग से गंगा को साफ किया गया है। अभी यह तकनीक मंहगी है। इसे जनसुलभ बनाने का प्रयास होना चाहिए।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में शनिवार को आईआईटी बीएचयू के चार दिवसीय 100वें ग्लोबल एल्युमनी मीट के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा, आने वाले 100 साल में देश के भविष्य के लिए विजन तैयार करना होगा। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि स्वच्छता से स्वास्थ्य, जीवन स्तर और नारी गरिमा में सुधार हुआ है। गोरखपुर सहित पूर्वोत्तर यूपी को इंसेफ्लाइटिस बीमारी से स्वच्छता के जरिए ही निजात मिली।

सीएम ने कहा- तकनीक से भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए राशन वितरण में ई-पॉस मशीन, लोन सहित अन्य योजनाओं के बारे में सरकार ने पहल की। इससे पहले आईआईटी बीएचयू के निदेशक पीके जैन ने संस्थान की ओर से की जा रही पहल की जानकारी दी। बताया कि आगामी सालों में इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर की शुरूआत, 5 जी के लिए मिनिस्ट्री ऑफ कम्युनिकेशन से एमओयू, अमेजन एशिया व सिस्को लैब की स्थापना की जानकारी दी।

शनिवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित आईआईटी पुरातन छात्र सम्मेलन में स्मारिका का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संस्थान निदेशक प्रमोद कुमार जैन तथा रंगोली को देखते पुरातन छात्र-छात्राएं। अमर उजाला

मुख्यमंत्री ने तकनीक के फायदे गिनाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रदेश में हैलोजन से जलने वाली 16 लाख स्ट्रीट लाइट आठ लाख एलईडी बल्ब में बदली गईं। इससे सालाना 250 करोड़ रुपये की बचत हुई। प्रदेश की 80 हजार सार्वजनिक सस्ते गल्ले की दुकान में ई पाश मशीन लगाने से न सिर्फ पात्र को राशन उपलब्ध हो रहा है, बल्कि 110 करोड़ रुपये भी बचे। 80 हजार फर्जी राशन कार्ड पकड़े गए। यह तकनीकी मदद से संभव हुआ। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के 100 रुपये भेजने पर 10 पैसे पहुंचने के बयान का जिक्र कर कहा- तकनीक की मदद से लाभार्थी तक 100 रुपये पहुंच रहे हैं।

50 देशों में पुरातन छात्र बढ़ा रहे मान : मल्होत्रा

समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए बोर्ड आफ गवर्नर के सदस्य और आयोजन समिति के चेयरमैन नितिन मल्होत्रा ने संस्थान के विकास में पुरातन छात्रों के योगदान की विस्तार से चर्चा की। कहा कि 50 से अधिक देशों में पुरातन छात्र संस्थान का मान बढ़ा रहे हैं। इसमें दो हजार से अधिक छात्र तो कैलिफोर्निया के सिलिकॉन वैली में ही हैं। इसके अलावा 12 हजार छात्र यूएसए में विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग पदों पर अपनी सेवा दे रहे हैं।

भविष्य की चुनौतियों पर किया जाए काम

मुख्यमंत्री ने कहा-बुचड़खानों पर प्रतिबंध के बाद लोग गोवंश सड़कों पर छोड़ रहे हैं। इनके गोबर और गोमूत्र से ईंधन का निर्माण करें। आईआईटी बीएचयू टेक्नोलॉजी विकसित कर गोबर प्लांट से मीथेन और सीओ-2 अलग कर रिफलिंग की संभावना तलाशे। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण आज सबसे बड़ी चुनौती है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा कहर नदियों, तालाबों और पोखरों पर ढाया गया। 'जल है तो कल है' के मद्देनजर तकनीक को सरल और सस्ता करना होगा। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के सरलीकरण पर भी काम होगा। सीएम ने कहा- आईआईटी बीएचयू और आईआईटी कानपुर सरकार के नॉलेज पार्टनर हैं। लिहजा यूपी में आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजना इनकी जिम्मेदारी है।

शोध को मिलेगा बढ़ावा, खुलेगी तरक्की की राह

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने की राह पर कदम आगे बढ़ते जा रहे हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सेंटर, सेनेटरी इनोवेशन पार्क सहित नए सेंटर खोले जाने के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर योजनाएं शुरू की जा रही है। शनिवार को शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित ग्लोबल एल्युमनाई मीट के दौरान निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने वर्तमान और भविष्य में चल रही योजनाओं की उपलब्धियां गिनाईं।

स्वतंत्रता भवन में आयोजित चार दिवसीय एल्युमनाई मीट के उद्घाटन के अवसर पर निदेशक ने पुरातन छात्रों को संस्थान के विकास में सहभागी बताते हुए उनके द्वारा किए जा रहे सहयोग के प्रति आभार जताया और राष्ट्र के औद्योगीकरण में संस्थान के योगदान की चर्चा की। कहा कि संस्थान का उद्देश्य और प्राथमिकता रिसर्च, इनोवेशन और बेहतर स्टार्टअप के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करना है। उन्होंने प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर में संस्थान के नॉलेज पार्टनर होने, संचार मंत्रालय के साथ एमओयू और अमेजन एशिया समेत कई और संस्थाओं के साथ आईआईटी के समझौतों और नोएडा में आईआईटी बीएचयू के एक्सटेंशन सेंटर खोले जाने की जानकारी दी। अतिथियों के प्रति संसाधन और पुरातन छात्र अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान गुजरात से भाजपा के पूर्व एमएलसी सुनील ओझा, अधिष्ठाता प्रोफेसर राजीव प्रकाश, कुलसचिव डॉ. एसपी माथुर, प्रो. बीएन राय, प्रो. प्रभाकर सिंह सहित 300 पुरातन छात्र अपने परिवार के साथ शामिल रहे। ब्यूरो

आईआईटी बीएचयू पुरातन छात्र सम्मेलन में लगे चित्र देखतीं छात्राएं। अमर उजाला

प्रदर्शनी में दिखा छात्र और छात्राओं का कौशल

चार दिवसीय एल्युमनाई मीट के तहत आईआईटी बीएचयू के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इसमें टीम अवरेरा की ओर से बनाई गई इलेक्ट्रिक कार को देखने वालों की भीड़ लगी रही। एक यूनिट बिजली की खपत में 362.5 किलोमीटर जाने वाली इस कार को 2018 के शैल इको मैराथन में हाल ही में पुरस्कार भी मिल चुका है। इसके अलावा छात्रों द्वारा बनाई गई सौर ऊर्जा से चलने वाली आटा चक्की और धान काटने की मशीन, पानी की शुद्धता मापने की मशीन की प्रदर्शनी भी लगाई गई।